भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2555
दिनांक 05 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

2555. श्री तनुज पुनियाः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा याक को राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (आरकेए) के दायरे में शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या प्रगति की गई है; और

(ख) सरकार द्वारा 16 एकीकृत देशी पशु विकास केंद्रों में देशी गौवंश नस्लों के संरक्षण और विकास के क्या परिणाम देखे गए हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) जी, नहीं। याक, राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के अधिदेश में शामिल नहीं था। हालांकि, पशुपालन विभाग राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत याक के विकास और संरक्षण को कवर कर रहा है। याक के विकास और संरक्षण के लिए राज्यों को केंद्रीय सहायता जारी की गई है।

(ख) राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत, वैज्ञानिक और समग्र तरीके से देशी बोवाइन नस्लों के संरक्षण और विकास के उद्देश्य से 16 "गोकुल ग्रामों" की स्थापना हेतु निधि जारी की गई है। संशोधित और पुनर्गठित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक इस घटक को बंद कर दिया गया है। विवरण अनुबंध-। में दिया गया है।

इसके अलावा, पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा गोकुल ग्राम की स्थापना के घटक सहित राष्ट्रीय गोकुल मिशन और अन्य उपायों के कार्यान्वयन से देश में बोवाइन पशुओं की कुल उत्पादकता वर्ष 2014-15 में प्रति पशु 1640 किलोग्राम प्रति वर्ष से बढ़कर वर्ष 2023-24 में प्रति पशु 2072 किलोग्राम प्रति वर्ष हो गई है, जो 26.34% की वृद्धि है। यह दुनिया में किसी भी देश द्वारा उत्पादकता में सर्वाधिक वृद्धि है। देशी और नॉन-डिस्क्रिप्ट गोपशु की उत्पादकता वर्ष 2014-15 में प्रति पशु 927 किलोग्राम प्रति वर्ष से बढ़कर वर्ष 2023-24 में प्रति पशु 1292 किलोग्राम प्रति वर्ष हो गई है, जो 39.37% की वृद्धि है। भैंसों की उत्पादकता वर्ष 2014-15 में प्रति पशु 1880 किलोग्राम प्रति वर्ष से बढ़कर वर्ष 2023-24 में प्रति पशु 2161 किलोग्राम प्रति वर्ष हो गई है, जो 14.94% की वृद्धि है। देश में दूध उत्पादन वर्ष 2014-15 के 146.31 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 239.30 मिलियन टन हो गया है, जो पिछले 10 वर्षों में 63.55% की वृद्धि है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन में वर्ष 2030 तक बोवाइन पशुओं की दुग्ध उत्पादकता को प्रति पशु 3000 किलोग्राम प्रति वर्ष तक करने की परिकल्पना की गई है।

***

अनुबंध-I

गोकुल ग्राम का विवरण

राज्य का नाम	गोकुल ग्राम का स्थान	अधिदेशित नस्ल
आंध्र प्रदेश	गोपशु प्रजनन फार्म, चडालवाड़ा, प्रकाशम	ओंगोल
तेलंगाना	पीवीएनआर तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय	गिर, साहीवाल, थापरकर, देवनी, ओंगोल
कर्नाटक	अमृतमहल, उपकेंद्र, लिंगादहल्ली, चिक्कमगलुरु,	अमृत महल
गुजरात	धरमपुर, पोरबंदर	गिर
मध्य प्रदेश	गोपशु प्रजनन फार्म, रतौना, सागर	थारपारकर
महाराष्ट्र	बुल मदर फार्म, ताथवड़े, पुणे	पंढरपुरी
	बुल मदर फार्म, पोहारा, अमरावती	गाओलाओ
पंजाब	बीर दोसांझ नाभा	साहीवाल; गिर
हरियाणा	हिसार	हरियाना; मुर्रा
हिमाचल प्रदेश	थानाखास, ऊना	साहीवाल
उत्तर प्रदेश	दुवासु (DUVASU) मथुरा	साहीवाल; हरियाना
	आराजीलाइन्स वाराणसी	गंगातीरी
	सिमरा वीरान,शाहजहांपुर	साहीवाल
अरुणाचल प्रदेश	तेजू, लोहित	गिर, साहीवाल,
छत्तीसगढ़	संस्थागत गोकुल ग्राम झालम, बेमेतरा	गिर, साहीवाल, कोसली
बिहार	डुमरांव,बक्सर	हरियाना ग्रेडिड